



असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 217]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 22, 1972/श्रावण 31, 1894

No. 217]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 22, 1972/SRAVANA 31, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 22nd August 1972

G.S.R. 387(E)/Ess.Com/Sugar.—In exercise of powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Sugar (Control) Order, 1966, namely:—

1. (1) This Order may be called the Sugar (Control) Amendment Order, 1972.
- (2) It shall come into force at once.
2. In clause 2 of the Sugar (Control) Order, 1966 (hereinafter referred to as the said Order), sub-clause (a) shall be relettered as (aa), and before it is so re-lettered, the following sub-clause shall be inserted, namely:—

“(a) “Bulk consumer” means a halwai, sweetmeat seller or a confectioner.”

3. In clause 7 of the said Order, in sub-clause (b) after the words “one or more of the Indian Sugar Standard Grades of Sugar”, the words “or to sell it only to bulk consumers for use in the manufacture of their products” shall be added.

[No. 1-21/72-SPY.]

S. V. SAMPATH, Jt. Secy.

## कृषि मंत्रालय

## ( खाद्य विभाग )

## आदेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 19

ता० का० नि० 387 (अ)/आव० वस्तु/शर्करा.—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार शर्करा (नियंत्रण) आदेश, 1966 में और संशोधन करने के लिए एनद्द्वारा निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का नाम शर्करा (नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1972 होगा।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. शर्करा (नियंत्रण) आदेश, 1966 (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) के खण्ड 2 में, उपखण्ड (क) को (कक) के रूप में पुनः अक्षरित किया जाएगा, और इस प्रकार पुनः अक्षरित किए जाने के पूर्व निम्नलिखित उपखण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(क) “शोह उपभोक्ता” से इटाई, मिठाई विक्रेता या कान्फेक्शनर अभिप्रेत है।

3. उक्त आदेश के खण्ड 7 में, खण्ड (ख) में, “शर्करा के भारतीय शर्करा मानक श्रेणियों एक या उससे अधिक” शब्दों के पश्चात् “या केवल धोक उपभोक्ताओं को, उनके उत्पादन के विनिर्माण में उपयोगार्थ विक्रय के लिए” शब्द जोड़ जाएंगे।

[सं० 1-21/72-एम० पी० वाई०]

एम० बी० सम्पत, संयुक्त सचिव।